

कोयला मंत्रालय में विशेष अभियान पांचवें चरण की प्रगति और सर्वोत्तम अभ्यास

Posted On: 30 OCT 2025 5:02PM by PIB Delhi

विशेष अभियान पांचवें चरण के अंतर्गत कोयला मंत्रालय ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ मिलकर अभियान के प्रारंभिक चरण के दौरान पहचान गई कई गतिविधियों को लागू किया है। इन प्रयासों ने कोयला क्षेत्र में स्वच्छता, परिचालन दक्षता और स्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने को बढ़ावा दिया है।

2 से 31 अक्टूबर 2025 तक कार्यान्वयन चरण के दौरान मंत्रालय ने निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है। इससे कुल 42,09,16,186 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है और छंटाई या बंद की गई फाइलों की संख्या 86,307 है।

S. No.	Parameters	Targets	Achievement	Achievement%
1	Cleanliness Campaign Sites	1439	1552	108
2	Areas cleared under campaign (sq. ft.)	8251511	9158274	111
3	Quantity of scrap disposed (Metric ton)	8678	10440	120
4	IMC References	2	2	100
5	Public Grievances	166	166	100
6	PMO References	61	61	100
7	Physical Files Reviewed	123830	187286	151
8	e-Files Review	32182	37812	116

इस अभियान के दौरान कुछ सर्वोत्तम अभ्यास इस प्रकार हैं-

1. प्लास्टिक से कॉगिंग चप्पल

ईसीएल के अंतर्गत बंकोला क्षेत्र में एकल उपयोग प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र की एक इकाई स्थापित की गई थी। इस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का उद्देश्य बंकोला क्षेत्र और आस-पास के उखरा में प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के साथ-साथ भूमिगत खदानों में लकड़ी की चप्पल के उपयोग को कम करने के लिए वनों की कटाई को कम करना है क्योंकि इसका अंतिम उत्पाद प्लास्टिक कॉगिंग चप्पल है। इसका उपयोग छत के समर्थन के लिए भूमिगत खदान में उपयोग की जाने वाली लकड़ी चप्पल की जगह किया जा सकता है।

		
पहले (प्लास्टिक अपशिष्ट)	प्रक्रियाधीन	बाद (प्लास्टिक स्तंभ)

2. अपशिष्ट से कला स्थापना

बीसीसीएल के कुसुंडा क्षेत्र ने पुराने ड्रम से दो सोफा सेट और पुराने टायरों से सेंटर टेबल तैयार कर फेंकी गई सामग्री को दूसरा जीवन दिया। 3R विजन को आगे बढ़ाने वाली एक रचनात्मक अपशिष्ट से कला पहल: कम करें, पुनः उपयोग करें, रीसायकल करें।



3. स्क्रैप टू चार धाम (मंदिर)

एमसीएल स्क्रैप को आश्चर्यजनक कलाकृतियों में बदल रहा है! इसने एलएचडी घटकों, कन्वेयर बेल्ट, पंप पार्ट्स और ड्रिल स्पेयर्स जैसे मैकेनिकल स्क्रैप को देश के चार धाम मंदिरों की रचनात्मक उत्कृष्ट प्रतिकृतियों में बदल दिया है। यह परियोजना स्थिरता, नवाचार, टीम वर्क और समर्पण का प्रमाण है। यह स्क्रैप को असाधारण चीज़ में बदलने की सच्ची कला को प्रदर्शित करती है। सभी चार धाम प्रतिकृतियाँ ओरिएंट एरिया, एमसीएल के अंतर्गत ईसीओ पार्क में हैं।

	
<p>श्री बद्रीनाथ धाम, चम्पौली, उत्तराखंड</p>	<p>श्री जगन्नाथ धाम पुरी, ओडिशा</p>
	
<p>श्री रामनाथस्वामी धाम, रामेश्वरम, तमिलनाडु।</p>	<p>श्री द्वारिकानाथ धाम द्वारका, गुजरात</p>

4. कोहरे तोप मशीन और घुड़सवार मैकेनिकल वैक्यूम-आधारित सड़क स्वीपिंग मशीन

ईसीएल के अंतर्गत धूल दमन और पर्यावरण के अनुकूल खनन कार्यों को बढ़ावा देने वाली राजमहल क्षेत्र में एक टूक माउंटेड फॉग केनन मशीन और एक टूक माउंटेड मैकेनिकल वैक्यूम-आधारित रोड स्वीपिंग मशीन को सफलतापूर्वक पेश किया गया है।



5. जैव-शौचालयों की स्थापना

एमसीएल ने विभिन्न क्षेत्रों में जैव-शौचालय स्थापित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना, स्वच्छता सुविधाओं में सुधार करना और एमसीएल परिसर के भीतर पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित करना है।



6. अपशिष्ट से धन

निगाही माईस, एमसीएल से एकत्र किए गए लोहे के स्क्रैप से कलात्मक रूप से एक मूर्ति तैयार की गई है, जो "वेस्ट टू वेल्थ" की अवधारणा का प्रतीक है। इसमें सीआईएल का शुभंकर 'अंगारा' भी है। नवाचार और स्थिरता की भावना का प्रतिनिधित्व करता है।



7. डब्ल्यूसीएल में शिशुगृहों का उद्घाटन

माजरी क्षेत्रीय कार्यालय और थाना उप क्षेत्र, डब्ल्यूसीएल में दो नए क्रेच केंद्रों का उद्घाटन किया गया है। ये केंद्र कर्मचारियों के बच्चों के लिए सुरक्षित और पोषण वाले स्थान हैं। कामकाजी माता-पिता की सहायता करते हैं और बच्चों के अनुकूल कार्यस्थल को बढ़ावा देते हैं।



पीके/केसी/एसके/डीए

(Release ID: 2184390) Visitor Counter : 24
Read this release in: English , Urdu